

**यदृच्छया क्रि.वि.** (तत्.) 1. संयोग से, अकस्मात्, दैवयोग से 2. मनमाने तौर पर, बिना किसी नियम अथवा कारण के।

**यदृच्छा स्त्री.** (तत्.) 1. स्वेच्छाचरण, मनमानापन 2. संयोग, दैवयोग।

**यदृच्छावाद पुं.** (तत्.) दर्शन का एक सिद्धांत जिसमें कार्य और कारण का कोई नियम लागू नहीं होता, स्वेच्छावाद। accidentalism

**यद्यपि अव्य.** (तत्.) हालांकि प्रयो. यद्यपि तुम महावीर हो फिर भी तुम्हें शत्रु के समक्ष बिना अस्त्र के नहीं जाना चाहिए।

**यद्वातद्वा अव्य.** (तत्.) जब-तब, जैसा-तैसा।

**यम पुं.** (तत्.) 1. दमन, निग्रह, नियंत्रण 2. आत्म संयम 3. चित्त को धर्म में स्थिर रखने वाले कर्मों का साधन 4. योग के आठ अंगों में से प्रथम यथा. 1. यम 2. नियम 3. आसन 4. प्राणायाम 5. प्रत्याहार 6. धारणा 7. ध्यान 8. समाधि 5. मृत्यु का देवता अर्थात् यमराज 6. जुड़वाँ संतान, यमज।

**यमक पुं.** (तत्.) 1. काव्य. शब्दालंकार का एक भेद जिसमें सार्थक किंतु भिन्नार्थक वर्ण समुदाय की एक से अधिक बार आवृत्ति की जाती है प्रयो. कनक-कनक तैं सो गुनी मादकता अधिकाय। या खाए बौराय जग, वा पाए बौराय 2. सेना का एक व्यूह 3. एक वृत्त।

**यमकातर पुं.** (तत्.) यमराज का खड्ग, एक प्रकार की तलवार।

**यमघंट पुं.** (तत्.) 1. ज्यो. वार और नक्षत्र के योग से उत्पन्न होने वाला एक अशुभ योग जिसमें सभी प्रकार के शुभ कर्मों की वर्जना रहती है यथा. रविवार को मघा, सोम को विशाखा, मंगल को आर्द्रा, बुध को मूल, बृहस्पति को कृत्तिका, शुक्र को रोहिणी तथा शानिवार को हस्त नक्षत्र होने पर यह योग बनता है 2. कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा।

**यमचक्र पुं.** (तत्.) 1. यमराज का राज 2. मृत्यु रूपी चक्र।

**यमदंड पुं.** (तत्.) 1. यमराज का दंड, कालदंड 2. मनुष्य के ललाट की एक रेखा।

**यमदग्नि पुं.** (तत्.) त्रेता युगीन एक भृगुवंशी ऋषि जिनकी गणना सप्तऋषियों में की जाती है।

**यमद्वितीया स्त्री.** (तत्.) कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि जिसे भैयादूज के नाम से भी जाना जाता है, कथा है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना या यमी के घर गये थे इसीलिए आज भी हिंदु परिवारों में इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाता है, उसे भेंट, उपहार प्रदान करता है और बहन उसके स्वास्थ्य, सुख एवं दीर्घ जीवन की कामना करती है।

**यमधार पुं.** (तत्.) दोनों ओर धार वाली तलवार या कटार।

**यमन वि.** (तत्.) 1. यमराज 2. निग्रह, निरोध, दमन 3. समाप्ति 4. बंधन, प्रतिबंध 5. विराम देना 6. शासन, नियंत्रण।

**यमनाह पुं.** (तत्.) यम, यमराज, मृत्यु का देवता, धर्मराज।

**यमनिका स्त्री.** (देश.) रंगमंच का पर्दा, कनात।

**यमनी वि.** (तत्.) 1. यमन का, यमन देश से संबंधित, यमन देश का निवासी 2. यमन देश की वस्तु, यमन देश में निर्मित, उत्पन्न 3. एक कीमती पत्थर, रत्न।

**यमपाश पुं.** (तत्.) 1. यम का पाश, जाल, फंदा 2. मृत्यु का कष्ट।

**यमपुर पुं.** (तत्.) 1. वह स्थान जहाँ शरीर छोड़ने के बाद आत्माएँ जाती है 2. यमपुरी, यमलोक, यमनगरी।

**यमयातना स्त्री.** (तत्.) मृत्यु के बाद पापी आत्माओं को यमराज द्वारा दिया जाने वाला घोर कष्ट, यंत्रणा, नरक की पीड़ा, अंतकाल की पीड़ा लाक्ष. अत्याचार, बहुत कष्टदायक।

**यमराज पुं.** (तत्.) मृत्यु का देवता, धर्मराज, यम, वैवस्वत, दिक्पाल भेद से 14 यम माने गए हैं- यम, धर्मराज, मृत्यु, अंतकाय, वैवस्वत, काल,